Cambrian Public School
Kanke Road, Ranchi

Class-IV

क्रम संख्या	महीनों के नाम	अध्याय	सीखने के परिणाम (Learning Outcomes)
1	**अप्रैल**	**उन्मेष:-**	
		1. सुमन बने हम क्यारी के (कविता)	बच्चे वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को समझेंगे एवं सभी के प्रति सम्मान एवं उदारता के मूल्यों का विकास होगा।
		2. नन्हा उल्लू (कहानी)	बच्चे माँ की ममता के मूल्य को समझेंगे एवं उनसे आजीवन श्रद्धा का भाव रखने का संकल्प करेंगे।
		व्याकरण फुलवारी:-	
		•भाषा और व्याकरण	बच्चे भाषा एवं उसके रूपों के बारे में जानेंगे। भारत की अन्य भाषाएँ, लिपि को समझेंगे एवं व्याकरण के सही प्रयोग का अर्थ समझेंगे।
		•वर्ण-विचार	बच्चे वर्ण-विचार का अर्थ समझेंगे एवं वर्ण-विन्यास एवं संयोजन करना स्वयं सीखेंगे।
2	**मई**	**उन्मेष:-**	
		3. निताई के सींग (लोककथा)	बच्चे प्रेम के अर्थ को समझने के साथ ही दूसरों को सम्मान देने जैसे गुणों के महत्व को भी समझेंगे।
		व्याकरण फुलवारी:-	
		•शब्द और वाक्य	छात्रों में वर्णों को जोड़कर सार्थक शब्द और शब्दों को जोड़कर सार्थक वाक्य बनाने की कला का विकास होगा।
3	**जून**	**उन्मेष:-**	
		4. नन्हा पेड़ (कहानी)	छात्र अपने व्यक्तिगत गुणों को समझने का प्रयास करेंगे एवं बच्चों

Scanned with CamScanner

		5. हमें देश तो लगता जैसे (कविता) **व्याकरण फुलवारी:-** •संज्ञा •लिंग	में परस्पर सहयोग की भावना का विकास होगा। छात्रों में संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक मूल्य का विकास होगा एवं त्योहार को मिलजुल कर मनाने की भावना का विकास होगा। बच्चे संज्ञा के अर्थ एवं उसके प्रकारों के बारे में जानेंगे। बच्चे लिंग एवं लिंग प्रकार के बारे में विस्तृत रूप से जानेंगे।
4	**जुलाई**	**उन्मेष:-** 6. मेलजोल का सबक (कथात्मक कविता) **व्याकरण फुलवारी:-** •पर्यायवाची शब्द/विलोम शब्द	बच्चे पाठ के द्वारा मेलजोल के अर्थ को समझेंगे। भाववाचक संज्ञा को बनाना स्वयं सीखेंगे। बच्चे पर्यायवाची एवं विलोम शब्द से परिचित होकर प्रयोग करना सीखेंगे।
5	**अगस्त**	**उन्मेष:-** 7. चीं-चूँ बदल गया (कहानी) **व्याकरण फुलवारी:-** •अपठित गद्यांश •पत्र-लेखन (औपचारिक पत्र-लेखन)	बच्चे अपने आंतरिक गुणों को पहचानेंगे एवं अपने कार्य को स्वयं करने का प्रयास करेंगे। छात्रों में तर्क- वितर्क करने की क्षमता का विकास होगा। छात्रों में स्वयं अपठित गद्यांश बनाने की कला का विकास होगा। बच्चे औपचारिक पत्र-लेखन की विद्या से परिचित होंगे।
6	**सितंबर**	**उन्मेष:-** 8. भारत के प्रमुख पक्षी (पर्यावरणीय लेख)	छात्रों में पक्षियों के प्रति प्रेम एवं संरक्षण की भावना का विकास

Scanned with CamScanner

		व्याकरण फुलवारी:- • अनुच्छेद लेखन	होगा एवं पर्यावरण सुरक्षा और अपने देश के प्रति सम्मान की भावना का विकास। बच्चो में अनुच्छेद-लेखन की क्षमता का विकास होगा।
7	**अक्टूबर**	**उन्मेष:-** 9. तिल का तार, राई का पहर (राजस्थानी लोककथा) 10. सो जाओ अब रात हो गई।(कविता) **व्याकरण फुलवारी:-** • वचन • सर्वनाम	 छात्र स्वयं किसी समस्या का समाधान निकालने में सक्षम होंगे। उनमे सहनशीलता, संवेदनशीलता एवं तर्कपूर्ण विचारो को अभिव्यक्त करने के कौशल का विकास होगा। बच्चे में उचित लय एवं अभिनय द्वारा कविता पाठ के कौशल का विकास होगा एवं कड़ी मेहनत एवं समर्पण के भाव का विकास होगा। छात्र वचन के प्रकारों के बारे में जानेंगे। छात्र सर्वनाम एवं उसके प्रयोग की विधा से परिचित होंगे।
8	**नवंबर**	**उन्मेष:-** 11. धरती कितनी बड़ी किताब (कविता) **व्याकरण फुलवारी:-** •विशेषण • क्रिया	 छात्र पर्यावरण के प्रति सजग बनेंगे। पाठ में आये पर्यायवाची, विशेषण एवं तुकांत शब्दों की जानकारी प्राप्त करेंगे। बिशेषण एवं उसके प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सही प्रयोग करेंगे। क्रिया एवं उसके प्रकार की जानकारी प्राप्त करेंगे।
9	**दिसंबर**	**उन्मेष:-** 12. चाँद की चोरी (कहानी)	 छात्रों में सामाजिक ज़िम्मेदारी एवं दूसरे के दु:ख को दूर करने के

Scanned with CamScanner

			कौशल का विकास होगा। छात्र विराम चिह्न एवं वर्तनी-शोधन की जानकारी प्राप्त करेंगे।
		व्याकरण फुलवारी:- •अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप	छात्र में अशुद्ध शब्दों को शुद्ध करने की क्षमता का विकास होगा।
		•. विराम चिह्न	छात्र विराम चिह्न के प्रयोगों की विधा से परिचित होंगे।।
		•अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	छात्र अनेक शब्दों के लिए एक शब्द का सही प्रयोग करना सीखेंगे।
10	**जनवरी**	**उन्मेष:-** 13. पत्थर चला घूमने	बच्चों में किसी भी समस्या का स्वयं समाधान करने के कौशल का विकास होगा एवं की-कि का सही प्रयोग करना सीखेंगे।
		व्याकरण फुलवारी:- •.मुहावरे	छात्र मुहावरो के अर्थ जानेंगे एवं उनका सही प्रयोग भी करेंगे।
11	**फरवरी**	**उन्मेष:-** 14.रास्ते का पत्थर	छात्रों में एक आदर्श नागरिक के कर्तव्यों का विकास होगा एवं वर्ण विछेद और वर्ण संयोजन स्वयं करने की कला का विकास होगा।
		व्याकरण फुलवारी:- • पत्र-लेखन(अनौपचारिक पत्र)	छात्र अनौपचारिक पत्र को लिखने की विधा से परिचित होंगे।

Scanned with CamScanner